एक नजर में

नशे से दूरी है जरूरी... अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक, रैली

शपथ के माध्यम से हाट,बाजार में पुलिस विभाग ने ग्रामीणों को जागरूक किया

आलीराजपुर । पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश, भोपाल के निर्देशानुसार 15 से 30 जुलाई 2025 तक प्रदेशभर में नशे से दूरी है जरूरी विषय पर जन-जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। अलीराजपुर जिले में यह अभियान पुलिस अधीक्षक राजेश व्यास के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में अत्यंत संगठित, सघन एवं प्रेरक रूप से संचालित किया जा रहा है। मंगलवार को जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें थाना बोरी और थाना आजादनगर की गतिविधियाँ विशेष रूप से उल्लेखनीय रहीं— थाना बोरी में एसपी श्री राजेश व्यास का हाट/बाजार में उपस्थित ग्रामीणों से प्रभावशाली सामाजिक संवाद एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास स्वयं उपस्थित रहे और हाट में एकत्रित बड़ी संख्या में ग्रामीणों को नशे से होने वाले सामाजिक, मानसिक एवं पारिवारिक दुष्परिणामों के बारे में सरल, सटीक एवं प्रभावशाली सामाजिक संवाद के माध्यम से जागरूक किया। उन्होंने बताया कि नशा एक व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। इस अवसर पर उपस्थित सभी ग्रामीणों, युवाओं एवं जनप्रतिनिधियों को नशा न करने और दूसरों को भी रोकने की शपथ पुलिस अधीक्षक के द्वारा दिलाई गई। कार्यक्रम में ग्राम रक्षा समिति सदस्य, जनप्रतिनिधिगण, चौकीदार, तथा थाना प्रभारी निरीक्षक नेपालसिंह चौहान अपने स्टाफ सहित उपस्थित रहे। इस आयोजन को हाट/बाजार मे आये ग्रामीणों द्वारा अत्यंत सराहना प्राप्त हुई। थाना आजाद नगर- स्कूल बच्चों की रैली, स्पोर्ट्स खिलाडियों एवं स्लम एरिया में जागरूकता अभियान- थाना क्षेत्र अंतर्गत झुग्गी बस्ती क्षेत्रों एवं स्पोर्ट्स खिलाडियों के मध्य जाकर नशे के विरूद्ध शपथ दिलवाई गई तथा स्कूल के बच्चों द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई, जो केन्द्र फलियां से प्रारंभ होकर जनपद कार्यालय, आजाद गेट, बस स्टैंड होते हुए टाउन हॉल ग्राउंड पर समापन हुई। प्रभात फेरी के माध्यम से आमजन को नशे के खिलाफ जागरूक किया गया और समापन स्थल पर नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इसी तारतम्य में चांदपुर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी दिलीप सिंह चंदेल मय बल उपस्थित रहे और सभी को नशा न करने की शपथ दिलाई। मंगलवार को ही उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, उदयगढ़ में थाना प्रभारी के सहयोग से नाटक मंडली द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से परिचित कराया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को बताया गया कि नशे से कैसे जीवन, भविष्य और समाज प्रभावित होता है तथा इससे दूर रहने के लिए कैसे सतर्क रहना चाहिए।

अंकुरम की भक्ति ने रॉलर स्केटिंग में दिलाया गौरव

झाबुआ। दिलीप क्लब, झाबुआ में 22 जुलाई को आयोजित

जिला स्तरीय अंडर-17 रॉलर स्केटिंग प्रतियोगिता में अंकुरम इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा भक्ति कटारिया (कक्षा 8वीं) ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं जिले को गौरवांवित किया। इस प्रतियोगिता में संपूर्ण जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच भक्ति ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। अब वह इंदौर में आयोजित होने वाली संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में झाबुआ जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। भक्ति की इस सफलता का श्रेय उनके समर्पण, मेहनत और विद्यालय की खेल प्रशिक्षक सपना चौहान के मार्गदर्शन को जाता है। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर विद्यालय के संस्थापक डॉ. लोकेश दवे, डायरेक्टर डॉ चारुलता दवे, प्राचार्य डॉ. रितेश लिमये एवं समस्त शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए भक्ति को हार्दिक बधाई दी तथा आगामी प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। अंकुरम इंटरनेशनल स्कूल परिवार भक्ति की इस उपलब्धि पर गर्व करते हुए उसकी निरंतर सफलता की कामना की।

दस्तक अभियान का शुभारंभ

इंदौर. प्रदेश के साथ-साथ इंदौर जिले में भी मंगलवार से 'दस्तक अभियान' की शुरुआत हुई. बच्चों को गंभीर बीमारियों से बचाने और बाल मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से शुरू हुए इस अभियान का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी ने हुकुमचंद अस्पताल में दीप प्रज्वलित कर किया. इस अवसर पर उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से 5 वर्षीय रोहन और दिव्या को ओआरएस व जिंक की टेबलेट दी तथा 9 माह की इनाया नूर को विटामिन-ए की खुराक पिलाकर सेवाओं की शुरुआत की. अभियान के पहले दिन उपसंचालक शिशु स्वास्थ्य डॉ. हिमानी यादव ने जिले के विभिन्न केंद्रों का निरीक्षण किया. उन्होंने ईमली बाजार स्थित आंगनवाड़ी केंद्र और सदर बाजार स्थित अल-शिफा क्लिनिक का दौरा कर मैदानी कार्यकर्ताओं और हितग्राहियों से संवाद किया. अभियान शुभारंभ कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. निर्मला अखंड, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. तरुण गुप्ता, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. शिवराज सिंह चौहान, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. अंशुल मिश्रा सहित हुकुमचंद अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक व स्टाफ भी उपस्थित रहे.

शिव महापुराण श्रवण से दूर होती हैं बाधाएं

इंदौर. संपूर्ण ब्रह्मांड में भगवान् शिव की महिमा न्यारी है. भगवान् शिव ज्योतिमय लिंग् स्वरूप में प्रकट हुए है. शिव महापुराण कथा के श्रवण से सारी बाधाये दूर होती है. यह बात ने शिव महा पुराण कथा में कहीं। श्री विजय मारुति हनुमान मन्दिर के महंत मंगलदास महाराज खाकी ने बताया कि सावन में शिव पुराण कथा को सुनने से कई गुना अधिक फल मिलता है. प्रवीण जोशी ने बताया कि रोजाना दोपहर 3 बजे से 6 बजे तक शिव महापुराण कथा होती है. व्यास पीठ का पूजन विधायक महेंद्र हाड़िया सहित श्रीमती भावना विजयवर्गीय, राधा सुशील उपाध्याय, मीना राणा शाह, सुनीता यादव ललित परदेशी ने किया. श्री वैष्णवी ग्रुप महिला मंडल की ओर से प्रसादी वितरित की गई.

इच्छापूर्ण महादेव मंदिर पर प्राण प्रतिष्ठा

इंदौर. आईएसबीटी बस स्टैंड परिसर इच्छापूर्ण महादेव मंदिर पर तीन दिवसीय आयोजन किया गया. आयोजन समिति के सुभाष चौधरी और राजेंद्र चौधरी ने बताया कि शिवलिंग, पार्वती और गणेश सहित शिव परिवार का मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम 21 जुलाई से शुरू हुआ. इसमें दस विधि स्नान, पंचांग कर्म, कलश यात्रा और 22 जुलाई को अखण्ड रामायण पाठ, अभाहित देवता एवं रुद्र अभिषेक हुए. 23 जुलाई को पूर्ण आहुति के साथ महाप्रसादी के साथ कार्यक्रम होगा.

नवीनतम कृषि तकनीकों का प्रदर्शन किया

इंदौर. एग्रीटेक कंपनी सिंजेंटा के ग्लोबल लीडर्स ने मंगलवार को इंदौर में आयोजित टेकफेस्ट में भाग लिया, जहां उन्होंने यह देखा कि कंपनी की अत्याधुनिक तकनीकें किस तरह उसके चैनल पार्टनर्स के सहयोग से किसानों तक पहुंच रही हैं. सिंजेंटा क्रॉप प्रोटेक्शन के ग्लोबल प्रेसिडेंट स्टीवन हॉकिन्स ने मध्य प्रदेश में नवाचार-आधारित, टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने के लिए आयोजित इस टेकफेस्ट में भाग लिया, जहां सिंजेंटा ने अपनी नवीनतम कृषि तकनीकों और फसल सुरक्षा समाधानों का प्रदर्शन किया. कार्यक्रम के दौरान स्टीवन हॉकिन्स ने कहा भारत के पास अपार संभावनाएं हैं. सिंजेंटा भारतीय कृषि की विशिष्ट चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित, पर्यावरण के अनुकूल और उत्पादकता बढ़ाने वाले समाधानों को लाने के लिए प्रतिबद्ध है.

परमात्मा का मंदिर निर्माण करने की प्रेरणा केवल मनुष्य को ही प्राप्त होती है

झाबुआ। हमने प्रतिदिन मंदिर जाना एवं पूजा करना नियम बनाया है, लेकिन मंदिर में रहकर परमात्मा के सम्मुख बैठकर हम यह चिंतन नहीं करते हैं कि मेरे भीतर भी एक परमात्मा है। कर्मों के आवरण से हम उन्हें देख नहीं पाते, परमात्मा का मंदिर निर्माण करने की प्रेरणा केवल मनुष्य को ही प्राप्त होती है। अन्य प्राणियों को तो केवल उनके अपने ही नीउ, घोसलें, गुफा बनाने की चिंता व्याप्त रहती है। संस्कार बच्चों के भीतर किस सीमा तक प्रभाव डालते हैं, संस्कार कब काम में आते हैं, यह हमें अपने कर्म द्वारा परिलक्षित होता है। हमारे मस्तिष्क में विचारों का कलख है, इससे निजात पाने के लिए हमें ध्यान करना जरूरी है। हम इच्छा तो मोक्ष की करते हैं,

लेकिन क्या यह हमारी कार्य सूची में सम्मिलित है, यह हमें सोचना है। यदि भीतर की अवस्था, कामनाओं में मोक्ष होता तो इस संसार में जो परिलक्ष्य है, वह दृष्टिगत नहीं होता। जब प्रभु मोक्ष की संपदा देने के अधिकारी हैं, तो अन्य भौतिक वस्तु तो स्वत: प्राप्त हो जाएगी। अत: हमें अन्य स्थान पर मांगने नहीं जाना है। मोक्ष की प्राप्ति हमें केवल मोह का नाश होने पर ही होगी। अपने अंदर जो शक्तियां सुषुप्त अवस्था में है। केवल उन्हें परमात्मा के माध्यम से जागृत करने का प्रयत्न करना है। उक्त उद्गार बुधवार को साध्वी भगवत कल्पदर्शिता ने स्थानीय बावन जिलालय में आयोजित धर्म सभा में व्यक्त किए। साध्वी अविचल दृष्टा ने कहा कि जिन शासन में हमें प्रतिफल प्रमाद से दूर रहने को कहा है। इच्छाकार सूत्र में श्रावकदृ श्राविका, साधुदृ साध्वी भगवत से उनके जीवन यापन से संबंधित सुखदृसाता, तप, संयम आदि पृच्छा करते है। मुहपत्ती पडिलेहण करते वक्त हम कुदेव, कुगुरु, कुर्धम को पृथक करते है एवं सुगुरु सुदेव, सुधर्म को धारण करते है। सही क्रिया करने पर ही हम मोक्ष के अधिकारी होंगे। दर्शन, ज्ञान, चारित्र की आराधना करना है तभी हम माक्ष मार्ग पर अग्रसर हो सकेंगे। धर्म सभा में श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त कर रहे है। धर्म सभा में श्री संघ अध्यक्ष संजय मेहता, श्रावक हुक्मीचंद छाजेड़, अशोक कटारिया, अनिल रुनवाल, सुनील राठौर, रिंकू रुनवाल, राजेश मेहता, भारत बाबेल, ऋषभ गोखरू, अभय दख, कमलेश कोठारी, डॉ. प्रदीप संघवी, नरेंद्र पगारिया, मुकेश रुनवाल आदि उपस्थित थे।

टास्क फोर्स समिति की बैठक संपन्न

झाबुआ। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा वन अधिकार अधिनियम 2006 एवं पेसा कानून के क्रियान्वयन हेतु गठित टास्क फोर्स समिति के सदस्य गिरीश कुबेर, डॉ. शरद चंद लेले, कालू सिंह मुजालदा एवं डॉ. मिलिंद दानडेकर झाबुआ जिले का दौरा पर है। यह दौरा इन महत्वपूर्ण कानूनों के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन का गहन मूल्यांकन के लिए है। कलेक्टर नेहा मीना की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें टास्क फोर्स समिति द्वारा जिले में चारणकोटड़ा, साड़ एवं बेडावली भ्रमण के पश्चात दौरान सामुदायिक वन अधिकार दावों में प्राप्त जानकरी की विस्तृत चर्चा की। समिति ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम 2006 के क्रियांवयन के लिए झाबुआ जिले में अच्छे प्रयास किये गये। जिले में वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन की अत्यधिक सम्भावनाएं है। अब आवश्यकता है कि इसकी मिशन मोड पर क्रियांवयन किया जाए। टास्क समिति द्वारा जिले के चार ग्रामो में सामुदायिक वन अधिकार को दिये जाने के लिए हुई प्रक्रिया की सराहना की। वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की और कहा कि वन विभाग वन अधिकार अधिनियम के क्रियान्वयन हेतु संवेदना पूर्वक कार्य करें एवं ग्राम स्तर पर प्रबंधन समितियां सुचारु रूप से क्रियान्वयन करें। कलेक्टर नेहा मीना ने वन अधिकार अधिनियम के सुचारू क्रियान्वयन हेतु नीचले अमले का प्रशिक्षण कराये जाने को कहा। कलेक्टर द्वारा आश्वस्त किया गया कि चार ग्रामों में चल रही सामुदायिक वन अधिकार दावों के निराकरण की प्रक्रिया प्राथमिकता के आधार पर की जाएगी। साथ ही व्यक्तिगत वन अधिकार दावों के निराकरण जल्द से जल्द कराये जाएंगे। बैठक के अंत में सहायक आयुक्त सुप्रिया बिसेन द्वारा उपस्थित समस्त सदस्यों का आभार व्यक्त किया गया। इस दौरान जिपं अध्यक्ष सोनल जसवंत भाबोर, वनमंडलाधिकारी, जिला पंचायत सीईओं, एसडीएम झाबुआ, पेटलावद, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन

आलीराजपुर । शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में सत्र 2025-26 में नव प्रवेशित छात्राओं हेतु इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। प्रोग्राम के दौरान प्राचार्य बी.एस. जमरा द्वारा छात्र/छात्राओं को संस्था की शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में जानकारी दि गई। साथ ही संस्था के समस्त व्याख्याताओं द्वारा महाविद्यालय में संचालित ब्रांच के बारे में तथा शासन की विभिन्न योजनाओं जैसे छात्रवृत्ति, संबल योजना, प्रगति, सक्षम आदि एवं हुनर, दक्ष, दिशा, श्रुति, आदि इनीशियटीव और विदेशी भाषा सिखाने के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया एवं छात्रों के कैरियर के बारे जानकारी दी गई । उक्त प्रोग्राम में समस्त शिक्षक, सपोर्टिंग स्टाफ एवं छात्र/छात्राएं उपस्थित थे।

अवैध रूप से संचालित क्लिनिकों को प्रशासन ने सील किया

आलीराजपुर । अनुविभागीय अधिकारी राजस्व तपीस पांडे ने जिले मे अवैध रूप से संचालित क्लिनिकों पर पूर्णत- रोक लगाने के अभियान को मंगलवार को भी जारी रखा। इस दौरान आलीराजपुर के अश्विन गुप्ता , जव?ानिया के दिपू विश?वास और ग्राम नानपूर के हर्षवर्धन क्लिनिक पर जॉच की गई । जॉच के दौरान पाया गया कि नितिन पटेल द्वारा करीबन 8 से 10 बेड की उपलब?धता वाले क्लिनिक का संचालन किया जा रहा था उक्त क्लिनिक पर जॉच के दौरान एलोपैथी पद्धति से ग्रामीणजन का उपचार किया जाता था, मूल दस्तावेज की कमी होने पर उक?त क्लिनिक को सील किया गया । जॉच के दौरान किसी के भी पास एलोपैथिक पद्धति से इलाज के मूल दस्तावेज प्राप्त नही हुए । इस दौरान संचालकों द्वारा मरीजों का उपचार एलौपैथि पद्धति से किया जा रहा था ।सभी के यहॉ से प्रयोग में लाई जा रही दवा और बाटल को जप्त कर नष्ट किया जाएगा ।साथ ही ग्राम जवानिया के दिपू विश्वास के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश संबंधित

थाना प्रभारी को दिए और सभी क्लिनिकों को सील कर आगामी कार्यवाही के लिए संबंधित स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया गया । इस दौरान तहसीलदार श्रीमती सविता राठी , सहित क्षेत्र के पटवारी एवं संबंधित दल उपस्थित था ।

स्टॉप डायरिया सह दस्तक अभियान का शुभारंभ

आलीराजपुर । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. देवेन्द्र सुनहरे ने बताया कि जिले में 22 जुलाई 2025 से 16 सितंबर 2025 तक चलने वाले 45 दिवसीय स?टॉप डायरिया सह दस्तक अभियान का शुभारंभ का मंगलवार को जिला चिकित्सालय से किया गया।

इस अभियान के तहत बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण से जुड़ी विभिन्न सेवाएं प्रदान की जायेगी जिसमें बच?चों में निमोनिया-गंभीर-कुपोषण -एनीमिया-स?क्रीनिंग दस्त रोग की पहचान प्रमुख है अभियान के दौरान बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढाने के लिये विटामिन 'ए' का घोल पिलाया जाएगा साथ ही सघन दस्त नियंत्रण कार्यक्रम भी संचालित किया जा रहा है जिसमें ओआरएस का पैकेट और जिंक की गोलियों निशुल्क दी जाएगी । महिला एवं बाल विकास के सहयोग से दस?तक अभियान के

दौरान मिले गंभीर कुपोषित बच?चों को उपचार के लिए पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कराया जाएगा । डॉ. सचिन पाटीदार शिशु रोग विशेषज्ञ ने बताया कि अभियान में मैदानी कार्यकर्ताओं द्वारा जिले में 87123 बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण देगें। उक्त कार्यक्रम में आई डीएसपी नोडल अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक, एपिडेमोलॉजिस्ट, जिला कम्प्युनिटी मोबिलाईजर, जिला मूल्यांकन एवं श्रवण अधिकारी, जिला डाटा मैनेजर टीकाकरण, जिला समन्वय आरकेएसके, आईडीएसपी डाटा मैनेजर आदि अधिकारी/कर्मचारीयों उपस्थित थे ।

कार्यशाला कार्यशाला का आयोजन कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग के मार्गदर्शन में संपन्न

सक्षम कार्यक्रम के अंतर्गत मास्टर ट्रेनर रिफ्रेशर कार्यशाला आयोजित

झाबुआ। जनजातीय कार्य विभाग झाबुआ के तत्वावधान में शासकीय कन्या हाई स्कूल बुनियादी में सक्षम कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय मास्टर ट्रेनर रिफ्रेशर कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन कलेक्टर नेहा मीना के निर्देशन एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यशाला में जनजातीय कार्य विभाग के सहायक निदेशक रविन्द्र सिंह सिसोदिया के प्रेरणादायी मार्गदर्शन एवं सक्षम जिला कार्यक्रम प्रबंधक रविप्रताप सिंह तोमर तथा उनकी टीम द्वारा मास्टर ट्रेनर्स को प्रभावी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सक्षम कार्यक्रम का पुनरावलोकन करते हुए पिछले दो वर्षों की उल्लेखनीय उपलब्धियों और सफलता की कहानियों पर चर्चा की।

जीवन कौशल सत्र पर जोर देते हुए सत्र की संरचना और अपेक्षित दक्षताओं की समझ विकसित की गई और जीवन कौशल सत्र का प्रस्तुतीकरण किया गया। जेंडर मुद्दों पर संवाद करते हुए जेंडर आधारित अवधारणाओं पर स्पष्टता और विद्यालय स्तर पर संवेदनशीलता लाने के लिए रणनीतियों पर विचार-विमर्श किया गया। मास्टर ट्रेनर्स की भूमिका और आगामी योजना पर चर्चा की गई। जिसमें उनकी जिम्मेदारियों और विकासखंड स्तर पर टीचर्स ट्रेनिंग की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य मास्टर ट्रेनर्स को सक्षम कार्यक्रम की नवीनतम जानकारी से अद्यतन करना और उन्हें विकासखंड स्तर पर शिक्षको को प्रभावशाली प्रशिक्षण देने के लिए तैयार करना था। आगामी योजना के अनुसार प्रत्येक चयनित विद्यालय से दो शिक्षकों को ब्लॉक स्तर पर जीवन कौशल शिक्षा के मॉड्यूल पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन सत्रों के माध्यम से छात्र-छात्राओं में 21वीं सदी के 11 जीवन कौशल विकसित होगे साथ में बाल अधिकार एवं बाल संरक्षण, चाइल्ड हेल्पलाईन नंबर, जेंडर संवेदनशीलता तथा रोजगार शिक्षा जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां मिलेंगी। जिससे वे आत्मविश्वास के साथ भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सकेंगे और अपने जीवन को एक सकारात्मक दिशा में अग्रसर कर पाएंगे।